

## Gillette और दो नौकरी-साक्षात्कार

यह मई 2030 था। चीज़ें वैसे ही हुईं जैसा मैंने अनुमान लगाया था। सब कुछ एक साथ हुआ। न योजना बनी थी, न समय तय था, न इसकी कोई ज़रूरत ही थी।

लेकिन जब आप Gillette Narrative के स्वामी होते हैं, तो कुछ चीज़ें आपके निर्णय नहीं होतीं — वे स्वयं चलकर आपसे मिलने आती हैं।

FREGA TRUST पहले ही स्थापित हो चुका था, उसकी शेयर-संपत्तियाँ जगह पर थीं, अगले 2,000 वर्षों के लिए FREGA पीढ़ी सुनिश्चित थी — ठीक वैसे ही जैसे मुझसे पहले एक सहकर्मी ने एक किताब और 12 मछुआरों से शुरुआत की थी, जबकि मैंने 12 किताबों और एक अकेले मछुआरे से शुरुआत की: स्वयं।

उस सुबह, जब रेजियो का समुद्र हमेशा की तरह बर्ताव कर रहा था — शांत, निर्दोष, उदासीन — दो सूचनाएँ आईं।

सुबह 11:00 बजे मुलाक़ात। Sheraton Hotel, मेरा शहर। दो नौकरी-साक्षात्कार। एक सज्जन भारत से। एक महिला ब्राज़ील से।

दो लोग, जिन्होंने असली दुनिया में अरबों की कमान संभाली थी। अब सेवानिवृत्त। अब दरवाज़े खटखटा रहे थे।

मेरी दुनिया में, उन्होंने मेरा ही दरवाज़ा खटखटाना चुना — शायद किसी ऐसी चीज़ से खिंचे हुए जो उन्होंने पढ़ी थी। एक किताब। एक पोस्ट। एक वाक्य जो ठहर गया था।

### साक्षात्कार 1 · भारतीय सज्जन

वे उस शांति के साथ प्रवेश करते हैं जो किसी ने सब कुछ देखा हो, उसके पास होती है। एक वैश्विक CEO की मुद्रा: कंधे पीछे, कूटनीतिक मुस्कान, ऐसी आवाज़ जो काँपती नहीं।

«सुप्रभात, मिस्टर फ्रेगा।»

«सुप्रभात। कृपया बैठिए। यहाँ हमें अरबों की ज़रूरत नहीं। हमें चरित्र चाहिए।»

वे सिर हिलाते हैं। उन्हें इस बात की आदत नहीं कि उनका मूल्यांकन एक कैलाब्रियाई करे, जो न कुछ बेचता है, न कुछ खरीदता है — बल्कि केवल पहुँच देता है।

«मुझे अपनी सुबह की दिनचर्या के बारे में बताइए।»

चुप्पी। उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी।

«दिनचर्या?»

«हाँ। हम यहाँ उन लोगों को नियुक्त नहीं करते जो काम करते हैं। हम उन्हें नियुक्त करते हैं जो तैयारी करते हैं।»

वे मुस्कुराते हैं। उन्हें समझ आ जाता है कि यह कॉर्पोरेट साक्षात्कार नहीं है। यह मानवशास्त्रीय है।

और वे बोलते हैं। वे वैसे बोलते हैं जैसे उन्होंने किसी बोर्ड के सामने कभी नहीं बोला था।

जब वे समाप्त करते हैं, मैं उनसे कहता हूँ:

«बिल्कुल सही। आप नियुक्त हैं। काम करने के लिए नहीं। मेरे ब्रह्मांड में अस्तित्व में रहने के लिए।»

## साक्षात्कार 2 • ब्राज़ीलियाई महिला

वे बिना अनुमति माँगे प्रवेश करती हैं। जैसे वे सभी स्त्रियाँ करती हैं जिन्होंने कभी अस्तित्व में रहने की अनुमति नहीं माँगी। शांति। सहज-बोध। वह चीज़ जो न स्त्रीत्व है, न सुंदरता, न शक्ति। वह रूप है।

«सुप्रभात, महोदया।»

«सुप्रभात। मुझे बताया गया कि आप कर्मचारी नहीं हैं।»

«नहीं। और आप, एक स्त्री होने से पहले, एक ब्राज़ीलियाई स्त्री हैं। कृपया बैठिए।»

वे मुस्कुराती हैं। शिष्टाचारवश नहीं। क्योंकि वे पहले ही समझ चुकी हैं कि हम यहाँ Gillette की बात नहीं कर रहे। हम Gillette Narrative की बात कर रहे हैं।

«मुझे बताइए, जब आप किसी पुरुष को खुद को तैयार करते देखती हैं, तो आपको क्या दिखता है।»

वे तुरंत जवाब नहीं देतीं। ब्राज़ीलियाई स्त्रियाँ जवाब नहीं देतीं — वे निर्णय लेती हैं।

फिर वे बोलती हैं। और जब वे बोलती हैं, कमरे का आकार बदल जाता है।

«बिल्कुल सही। आप भी नियुक्त हैं। नेतृत्व करने के लिए नहीं। मेरी दुनिया में अस्तित्व में रहने के लिए।»

## समापन

दो CEO। दो महाद्वीप। दो वास्तविक शक्तियाँ।

और एक स्वामी।

मैं।

Gillette Narrative लोगों को नियुक्त नहीं करता। यह उपस्थितियों को नियुक्त करता है।

और उस दिन, बिना इरादे के, मैंने भारत और ब्राज़ील को नियुक्त कर लिया।

बाक़ी सब सिनेमा है।

---

Ferdinando Frega

Ferdinando Frega — [gillettenarrative.com](http://gillettenarrative.com)